

मैं तेरी हूँ घनश्याम | by Kewal Krishan

अपने दिल के अरमान मैं कैसे बतलाऊँ
मैं तेरी हूँ घनश्याम अगर ना कह पाऊँ
गजेंद्र की पुकार पर दौड़ा चला आया
दिल में मेरे जो दर्द था तू सुन नहीं पाया
रख ले मेरा भी मान मैं कितनी हूँ परेशां मैं कैसे समझाऊँ
मैं तेरी हूँ घनश्याम अगर ना कह पाऊँ

तेरे बिन तड़पती हूँ कभी देख श्याम तू आकर
मेरा कौन है दुनिया में मैं रोऊँ किसके आगे जाकर
मैं लेकर तेरा नाम यहीं पर मर जाऊँ
मैं तेरी हूँ घनश्याम अगर ना कह पाऊँ

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%82-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%b9%e0%a5%82%e0%a4%81-%e0%a4%98%e0%a4%a8%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-by-kewal-krishan/>